



सत्यमेव जयते

वाराणसी विधानसभा क्षेत्र

15-4-94

नं० 2951 रजिस्ट्रार 500/13 + 500/13 + तीन लाख - 1000/13

हमारे मकान में मेरी श्री चन्द्रमा ठाकुर और श्री
रामलाल ठाकुर जाति बाई जिया का रहकारी
साथ जी. जयन्त सिन्हा नाम से दो बी ठाकुर
नाम जयन्त ठाकुर मेजर का मालिक
मालिक हैं।

माम मेरी ऊपर श्री विजयलक्ष्मी ठाकुर
और श्री चन्द्रमा ठाकुर का भी मालिक
पुलकेश ठाकुर और जाति पावन जिया
का रहकारी साथ मालिक जी. मालिक
जयन्त ठाकुर नाम मेजर का मालिक
मालिक हैं।

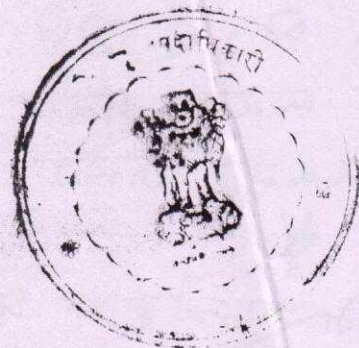
मालिक लक्ष्मी ठाकुर के लक्ष्मी ठाकुर (Sole owner)
नाम के जयन्त ठाकुर श्री 200/13 ठाकुर
पौत्र से बना।

जयन्त ठाकुर राजी नीमिया श्री मालिक 921/13
रजि. नं० 13 राजी कापसी बाई मेजर

नं० 8373 दिनांक १४/४/४८ श्री विद्या राय सा. सा.
 पोस्ट - जम्मू रिमोट - उ.प्र. तीन रुपये पचास
 पैसे का चिट्ठा ।

जयकुमार सिंह
 (सम)

३४
 ३१
 ३०
 २९
 २८
 २७
 २६
 २५
 २४
 २३
 २२
 २१
 २०
 १९
 १८
 १७
 १६
 १५
 १४
 १३
 १२
 ११
 १०
 ९
 ८
 ७
 ६
 ५
 ४
 ३
 २
 १



आइला बाबा सन्नेहा हाल बाबा पवन
 रजिस्ट्री कौन्सिल कार केला मीजु मान
 नर हरी पार हो एक है

जिमीन सिरु - 3 भी 6

तपन सीत से जे सुडा

अमा/म	जे ० न	० प	० ०	० ०	० ०
३६	८६६	१८॥३	२००	२००	२००
लिपि	का	रनाई का	०००	०००	०००
सो	डि	जी	०००	०००	०००
सदस					

कल जमीन लाई कलाल कि लाजी बापसी
 रनामाना मजान - १००००० पचास लाख पचास
 केलाई दोन बाप साहित्य केला ला का
 महुली जलमन ३ मन मोकि मो १२००/
 लाई मो हजा कलाल रजिस्ट्री के पहाई हो
 महुली का पहाई हो

उपलब्धि बाजी हम मन मोकि भी है
 जी ~~है~~ उप बाजी पर हम मन मोकि का
 मजान कलाल जी हकिमत महुली चला
 मो रहा है जी कलाल भी है मन मोकि
 भी कलाल का लाई जलाल बापसे कलाल
 महुली ००००० जी देन ००००० के मो
 महुली जलाल जी जी मोला सिरु साहित्य
 जलाल के कलाल का लाई होला जी
 कमलि है कि हम मन मोकि कलाल
 ००००० के कलाल बापसे मोला सिरु
 आजी ला मोला कलाल मोला साहित्य

कौनसा भी इसे चिन्तित करने में लगे
होगा तो हजार जगह से भी कभी हरे
हम मन मीनिक केने काये भी मन में क्या
सामान्य के कने हाकि जगह भी उरे की है
लेकर भी समझ कर भी भी एक समझना
कने नही जगह से लेकर फिर मीनिक
मन मीनिक से जेन कना भी कना भी समझ
समझ करण भी हकिमत भी उन लगी से
कै कर मीनिक कने भी नहीना / मन मीनिक
कि मीनिक कने फिर मीनिक लगी की
सुद कने समझ कने से सुद भी की
कौनसीक व सुद समझ की करे भी समझ
मन व समझ मीनिक करे भी समझ कने
मन से मीनिक करे - सुद से हम मन मीनिक
भी मीनिक मन मीनिक की करे उरे
भी समझ नही है भी न समझ केनी
होगा मन मीनिक के समझ से
मीनिक कने की उन लगी से भी समझ
होगा नही जा मीनिक उकार का मीनिक कने
मन मीनिक भी मीनिक कने की करे
भी ह मीनिक हाकिम है भी होगा
कि मन मीनिक के मीनिक मीनिक मीनिक
से समझ समझ समझ कर लगे सुद से
हम मन मीनिक भी करे उरे भी समझ
नही है भी न समझ केनी होगा सुद
मन मीनिक मीनिक मीनिक मीनिक
मन मीनिक मीनिक भी समझ है
नही मीनिक मीनिक मीनिक
सुद समझ मीनिक मीनिक मीनिक

₹ 9500/- (नौ हजार पचास) में 18 1/2 %

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

समस्त निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार का मुख्य उद्देश्य

उत्तर 5-4-94 की समस्त निष्ठा बहिष्कार

26 Aug

23

Received

Aug 400

May 36

S 230

P 172

439262

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

₹ 2100000
5-4-94

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

कुछ

5-4-94

7-10

मार्च

अभीष्ट निष्ठा बहिष्कार

5-4-94

₹ 2100000

5-4-94

0 317 - vol 11 - 94

318 and 11 an

4. $215 \times 27 = 5805$

15-4-44

461 →
1562 →
15-4-8M

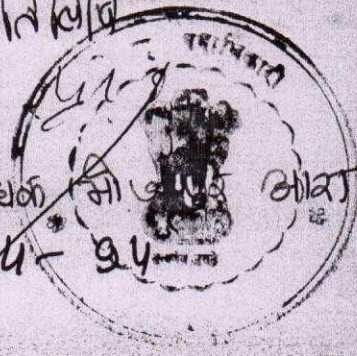
15-494

~~to get
with it
in company
our~~



सच्ची प्रतिलिपि

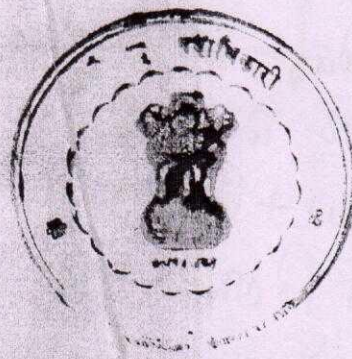
वास्तो जिला निबंधक मो. ज. पुर आवा
15-4-94



NO 3209 स्टांप कीमत 500 रु + 20 रु + 5 रु + दो सादा
फारम = 525 रु मात्र पांच सौ पचीस रुपये मात्र--
नाम मनमोहित्र → श्री रामकुमार सिंह जी श्री रामेश्वर
सिंह पिता स्वतः देवचारी सिंह जाति कुशावाहा पिशा.
कास्तकारी सा + जो पटना थाना संदेश की हल थाना
पटना सवना जिला मो. ज. पुर का भारतीय नागरिक है
नाम मोहित्र अतः → श्री विजयेश्वर कुमार सिंह जी श्री
चर्मेश्वर कुमार सिंह पिता श्री कुनेश्वर सिंह जाति यादव
पिशा कास्तकारी सा लसारी जो लसारी थाना अरिऔर
जिला मो. ज. पुर का भारतीय नागरिक है - - - - -
प्रसीम वसीका → पैदा कलामी (Sale-deed) - - -
नाथ दाद जबरमन → मीठ (2000) पांच हजार रुपया जिसका
निरुप मीठ (2000) पचीस सौ रुपया होता है - - -
जायदाद बराजी जी मो. ज. → मवाजी उडि सात डिब्बजी
कायमी वाके मो. ज. अतः पा थाना संदेश की हल थाना

नं० २३१२ दिनांक १२/४/४१ विन्दाराय खा. ३१११
 वास्ते - मकल फिमत - ३.५० तीन रुपया पन्नास प
 विधा जयकुमार सिंह
 (अमा)

३१५५
 १५
 ३५
 १५५



(पवन) सवना २ जिह्वा की किस भास

पवन सवना २ जिह्वा की किस भास जिहा की पुत्र

जमीन जिस - भीठ - - - - -

नफासीय से पैठुका

आपना नर = खे नर

आपनी को

को

पुत्र = पुत्र

पुत्रशक = पुत्रशक

पुत्र

शयनभा = नीज

आप = नीजमहाजन

सो तीन सो पचहत्तर

सो

पुसाद मीविल

हक की शक्ति

हक पुसाद वगैरे

जुल जमीन सात डी

सातान लगान -> एक आपना पौच नया पैसा आपने शीष्ट

वज्जिजी जसमन -> मनमी किरान मीठ (खुश) पौच हजार रुपया

जिह्वा की पहली ही वज्जि पा चुके है - - - -

उपर लिखी राजा हम मनमी किरान की है वी क्षमता

पर हम मनमी किरान का दखल कठजा की हकियत

निर्विवाद आप आ रहा है वी आज भी हम मनमी किरान

की आपने का सरोत जबरन वास्तु करने कार्य गहरी

वी देन दस्तगार की पिय निहायत जरूरी है कि

दिया जिम्मा मिलना के आपने का सविन वीना

गैर कुमकित है। वाजि ही कि दखिल तरफ पुत्र

से पश्चिम तीर कीर रास्ता कायम रहेगा। हम मनमी किरान

अपने शरीर की मन की पूरी स्वाध्याय से अपेक्षा

पाम की पुत्र तीर से सीच वी समझकर वी मीराय

मसवदा अपने वज्जिजान से लेकर उपर लिखी राजा

आज वादीय से पैथ किया वी पैचा वी आपका दखल

कठजा वी हकियत भी दस राजा से उठाकर मीविल

अपेक्षा की वी किफा अब चाहिय कि मीविल अपेक्षा

कानिब सिन्हा २१४ आर पिपलीयां चार भाग कुपलीका
 की पड़कर कुना समभा विपन नर २२४४ विनोक ११-४-४
 जी २१४ कुमार सिंह सार पवना उपावार वादने मय कीमा
 $२०० + २० + ४ = २२४$ पीच सौ पटचीह आवये का विपन उपकुन
 सिंह भाग नर २२४४ विनोक ११-४-४ देवन उपकुमार सिंह भाग
 नर २२४४ विनोक ११-४-४ देवन उपकुमार सिंह भाग
 NO-३२०९

Feed card

Stamk - २२५ पीच सौ पचीह कुमार

26 ALU

← 23

ALU २०० = ००

NW ३६ = ००

S २२५०

P १ = १२

कुमार सिंह २३९ = ६८

11-4

=d- R. Lal.

11-4-44

सह २१४ कुमार सिंह ११-४-४

२१४ कुमार सिंह

देवचारी सिंह

पवना चार सौ देव

कुषि

11-4-44

7-1 भाग

30 R. Lal.

11-4-44

उपकुन २१४ कुमार सिंह तथा २१४ देवन सिंह जिनकी पद
 पान शरकु सारा कुना पिता सार मयुन उपाक कुन
 पेशा ने की हो मयुन कि उन्हीने कसना विजयिमा विन
 की हो

11३ जी १३-१५

० २१४ कुमार सिंह ११-४-४

11३ जी १३-१५

० २१४ देवन सिंह नर: ११-४-४

114 નો 13-94

7

૦૨૧૪૩ શરૂઆત ૩૩૧ થી ૨૦૦ મધ્યમ પાક
ગરબા પાક ૧૧-૮-૧૪

Sd- R-al.

11-4-94

ગાંધી કિર્ષી

પકા

સિંચાઈ કિર્ષી

અભિનંદન ૧૩-૪-૯૪

અભિનંદન

અભિનંદન

15-4-94

15-4-94

15-4-94

7

પાંચ રૂબ
અને લેસ

3

R-O